अबराम को परछयो जाबो

THE TEST OF ABRAHAM'S FAITH

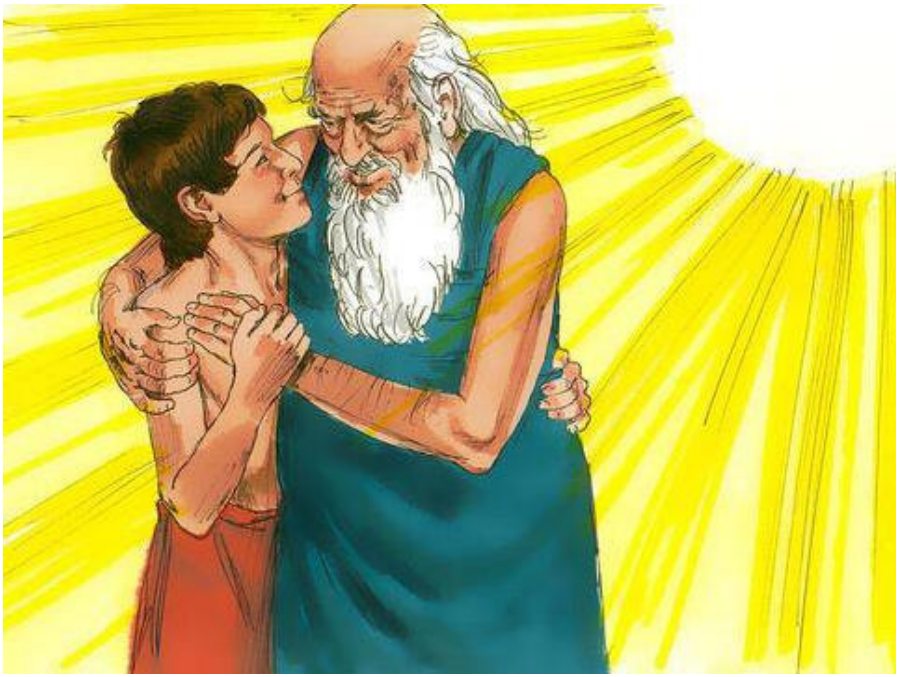

Merwari

अबराम को परछयो जाबो

THE TEST OF ABRAHAM'S FAITH

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-4)

प्रकाशनः-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर द्वारा अबराम के परखे जाने के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

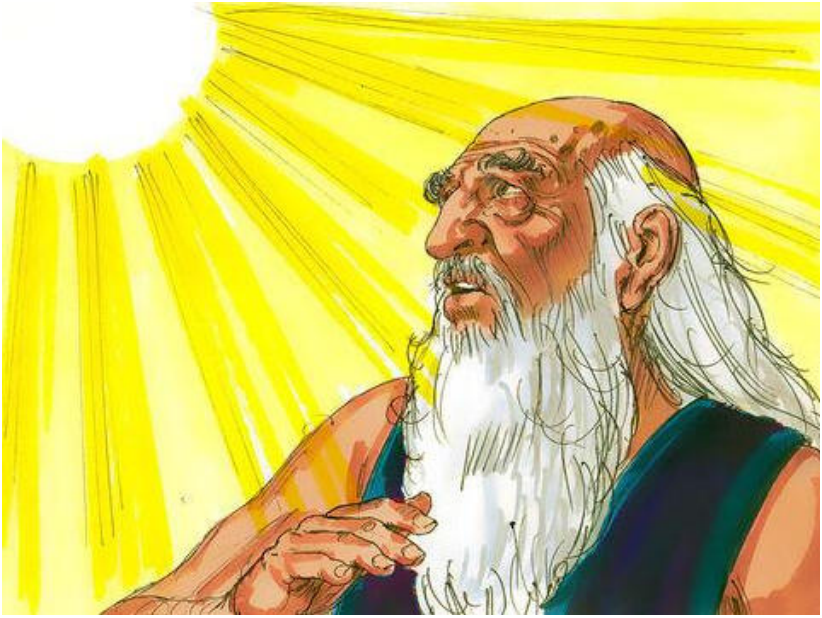

अबराम परमेसर परँ नरो बस्बास करो हो।

परमेसर अबराम का बस्बास न परछबाति कियो।

तु थारा टाबर न पहाड़ परँ लेजार बळि चड़ा।

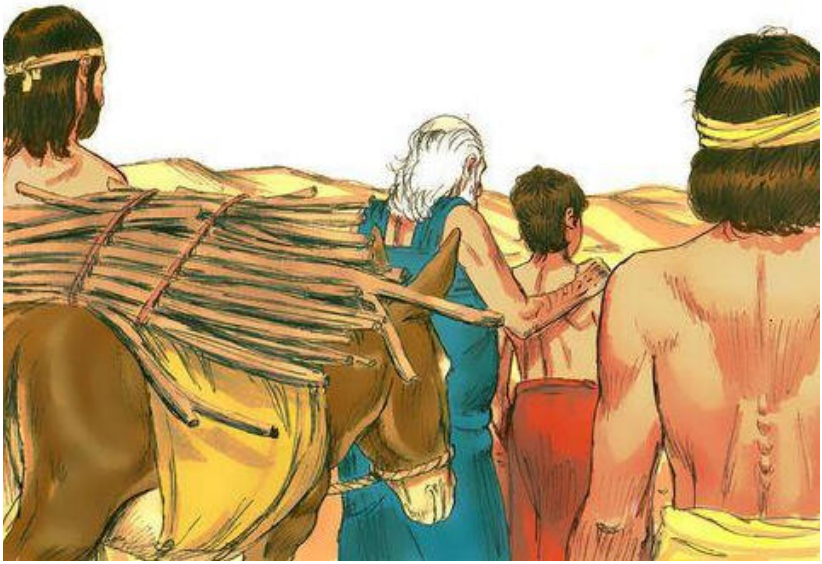

अबराम ने परमेसर जान कियो
अबराम ब्यान हि कर्ओ।
बो शेवकँ की लेर खुदका टाबर
न ल्येर चाल्यो।
ऐर अबराम बि पहाड़ न आँतरऊँ
देच्यो।

ऐर शेवकँ न कियो थे अटेई
रुकजो।
मे दोञ्यु जणा जार अरज करर
पाचा आवाँ।
अबराम खुदका टाबर की लेर
लाई ऐर लकडयँ लेर चाल्यो।

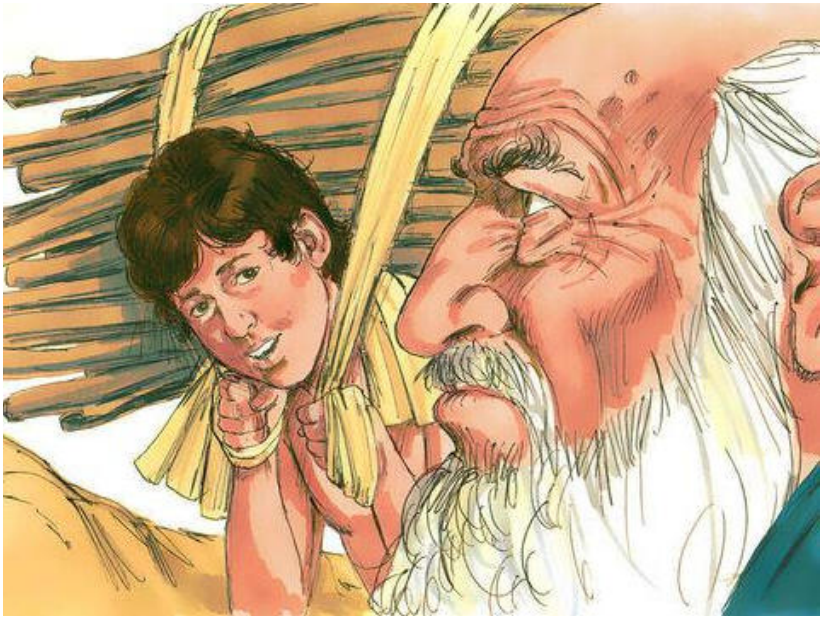

डुंगर परँ जाति टेम बिको टाबर
बिन पुच्यो,
हे बापू लाई ऐर लकड़यँ तो
आपणा कनअ है।
पण बळि केती लड्ड़ी कटे है।

अबराम कियो परमेसर लड्ड़ी
को बंदोबस खुद हि करई।
फेर बे, बि ठोड़ पल्या जो
परमेसर बतई।
ऐर बटे अबराम बळि केति एक
ठोड़ बणई।

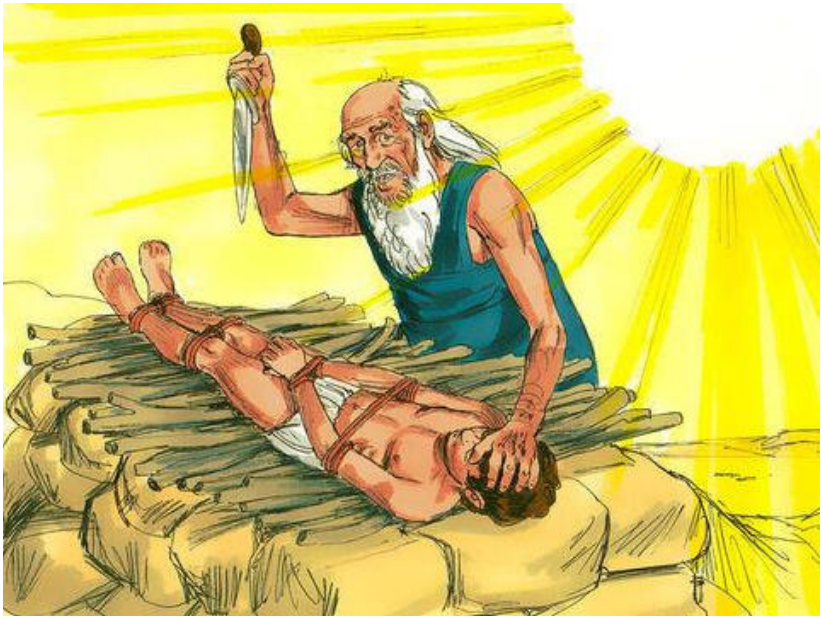

अबराम खुदका टाबर न बळी
की ठोड़ परँ हुवाण्यो।
ऐर छुर्रि न उटार टाबर न बळि
करबाळो ई हो।
जतेई एक हरगदूत अबराम न
हेलो पाड़र कियो।

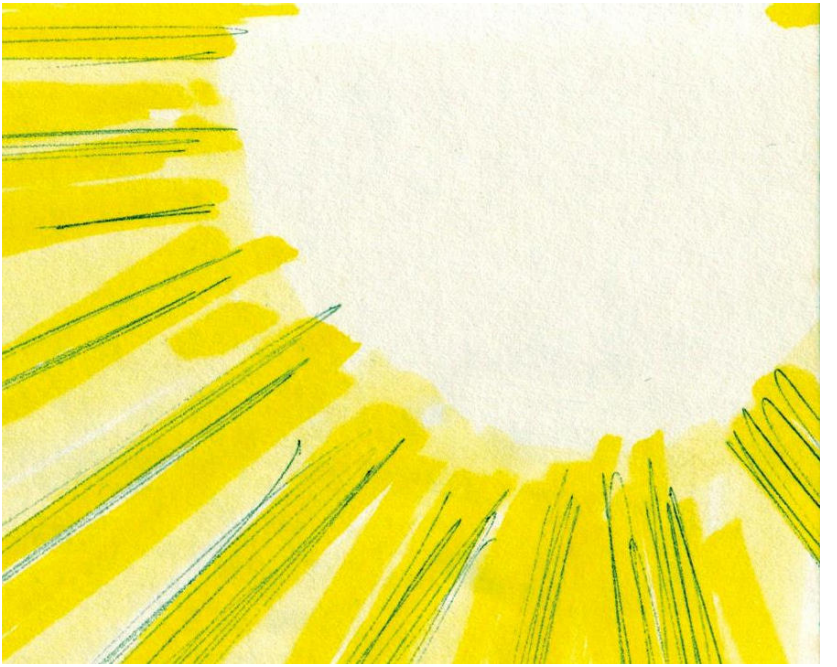

हे अबराम, तु थारा टाबर के
लगा पाड़ज्ये मत।
तु थारा टाबर न मारेति बळि
चडाबा केती नटयो कोनअ।
जिऊँ मूँ जाणज्यो हूँ, के तु मारो
मान राके हे।

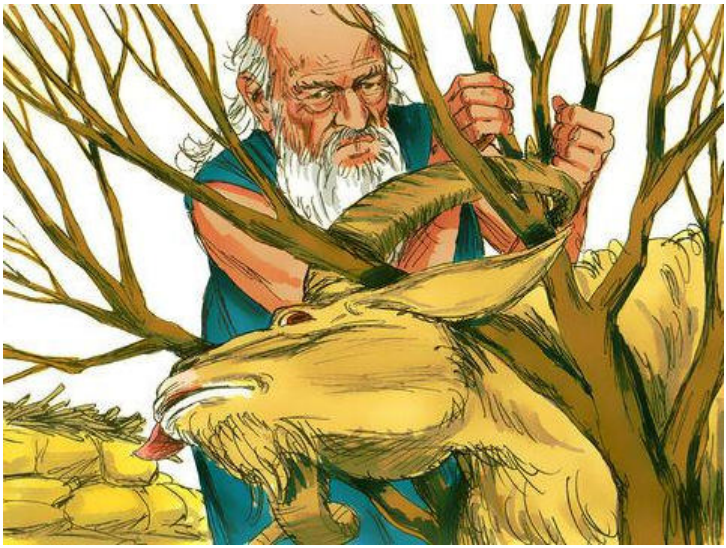

बटेई अबराम एक लड्डी न झाड़च्यँ म फस्येडो देच्यो, ऐर बिनअ खुदका टाबर कि ठोड़ बळि कर दियो।

ऐर अबराम बि ठोड़ को नाऊँ ‘यहोवा यिरे’ राच्यो।

“परमेसर कोठयार को मालक हे।”

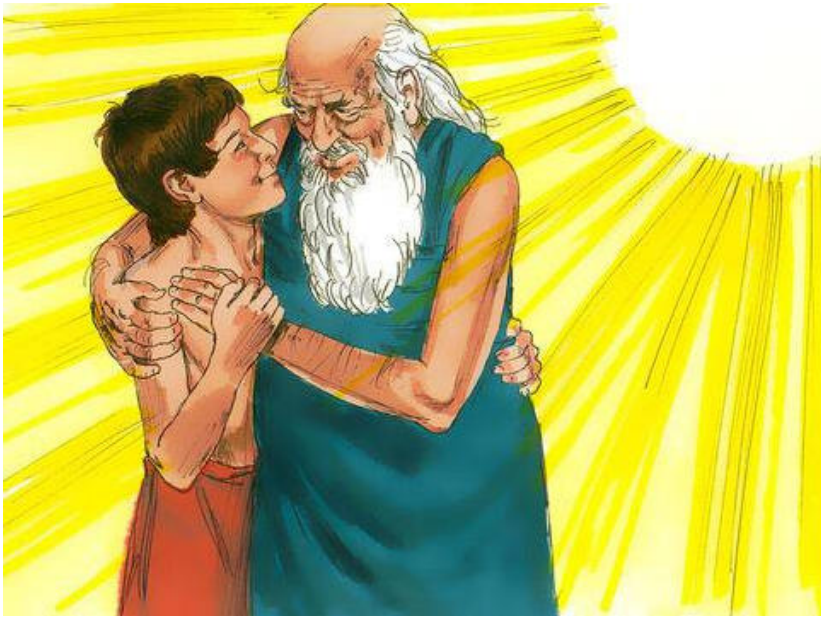

परमेसर अबराम न कियो तु
म्हारि अग्या मान्यो हे।
जिऊँ मूँ तनअ आसिस द्येऊँ, ऐर
थारा गुवाड़डा न आकास का
तारँ की ज्यान बडाऊँ।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®